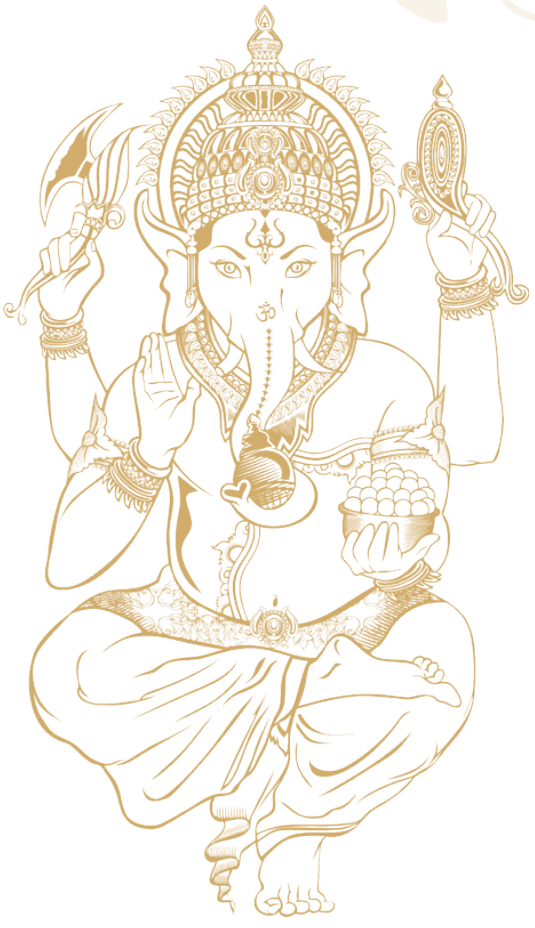

Saksham Diksha

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121614101

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121614101 Date: 16/03/2026

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
30/10/1996	जन्म तिथि	19/02/1999
बुधवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 16:12:00	जन्म समय	16:26:00 घंटे
घटी 24:09:56	जन्म समय(घटी)	23:42:56 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:32:01	सूर्योदय	06:56:49
17:37:23	सूर्यास्त	18:13:36
23:48:46	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:32

मीन	लग्न	कर्क
गुरु	लग्न लग्नाधिपति	चन्द्र
मिथुन	राशि	मीन
बुध	राशि-स्वामी	गुरु
मृगशिरा	नक्षत्र	रेवती
मंगल	नक्षत्र स्वामी	बुध
3	चरण	1
शिव	योग	शुभ
बालव	करण	वणिज
का-कमल	जन्म नामाक्षर	दे-देविका
वृश्चिक	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन
शूद्र	वर्ण	विप्र
मानव	वश्य	जलचर
सर्प	योनि	गज
देव	गण	देव
मध्य	नाड़ी	अन्त्य
मार्जार	वर्ग	सर्प

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
मंगल 3वर्ष 3मा 26दि		15:47:38	मीन	लग्न	कर्क	14:16:35	बुध 15वर्ष 4मा 20दि	
गुरु		13:28:34	तुला	सूर्य	कुंभ	06:30:02	शुक्र	
25/02/2018		00:20:23	मिथु	चंद्र	मीन	17:55:50	11/07/2021	
25/02/2034		06:16:04	सिंह	मंगल	तुला	14:24:50	11/07/2041	
गुरु	14/04/2020	11:50:45	तुला	बुध	कुंभ	18:35:59	शुक्र	09/11/2024
शनि	26/10/2022	18:45:02	धनु	गुरु	मीन	07:34:41	सूर्य	09/11/2025
बुध	31/01/2025	07:19:36	कन्या	शुक्र	मीन	03:10:54	चन्द्र	11/07/2027
केतु	07/01/2026	07:47:17	मीन व	शनि	मेष	05:16:45	मंगल	09/09/2028
शुक्र	07/09/2028	13:50:25	कन्या व	राहु व	कर्क	28:17:01	राहु	10/09/2031
सूर्य	26/06/2029	13:50:25	मीन व	केतु व	मक	28:17:01	गुरु	11/05/2034
चन्द्र	26/10/2030	07:00:24	मक	हर्ष	मक	19:55:20	शनि	11/07/2037
मंगल	02/10/2031	01:19:19	मक	नेप	मक	09:02:56	बुध	11/05/2040
राहु	25/02/2034	08:11:40	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	16:30:35	केतु	11/07/2041

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:48:46 चित्रपक्षीय अयनांश 23:50:32

लग्न-चलित

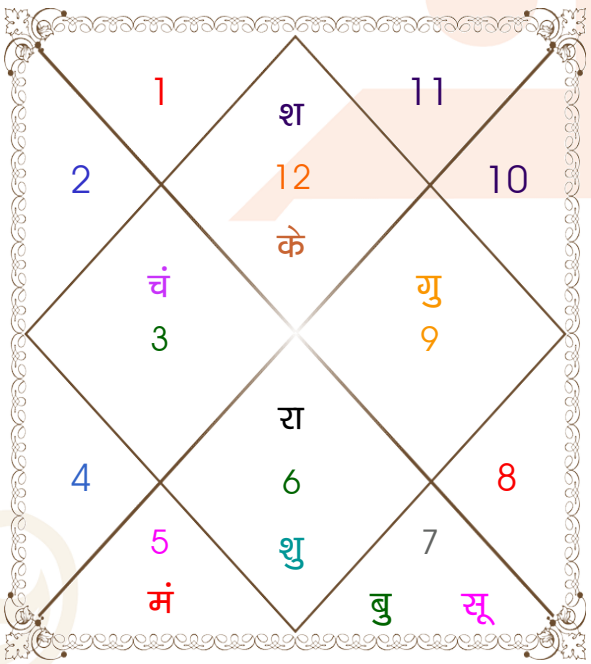

लग्न-चलित

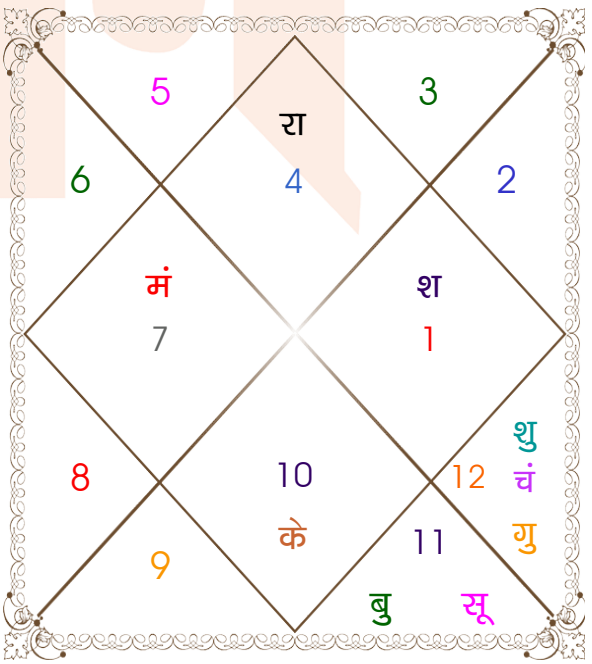

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	सर्प	गज	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	गुरु	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मिथुन	मीन	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	26.00		

कुल : **26 / 36**

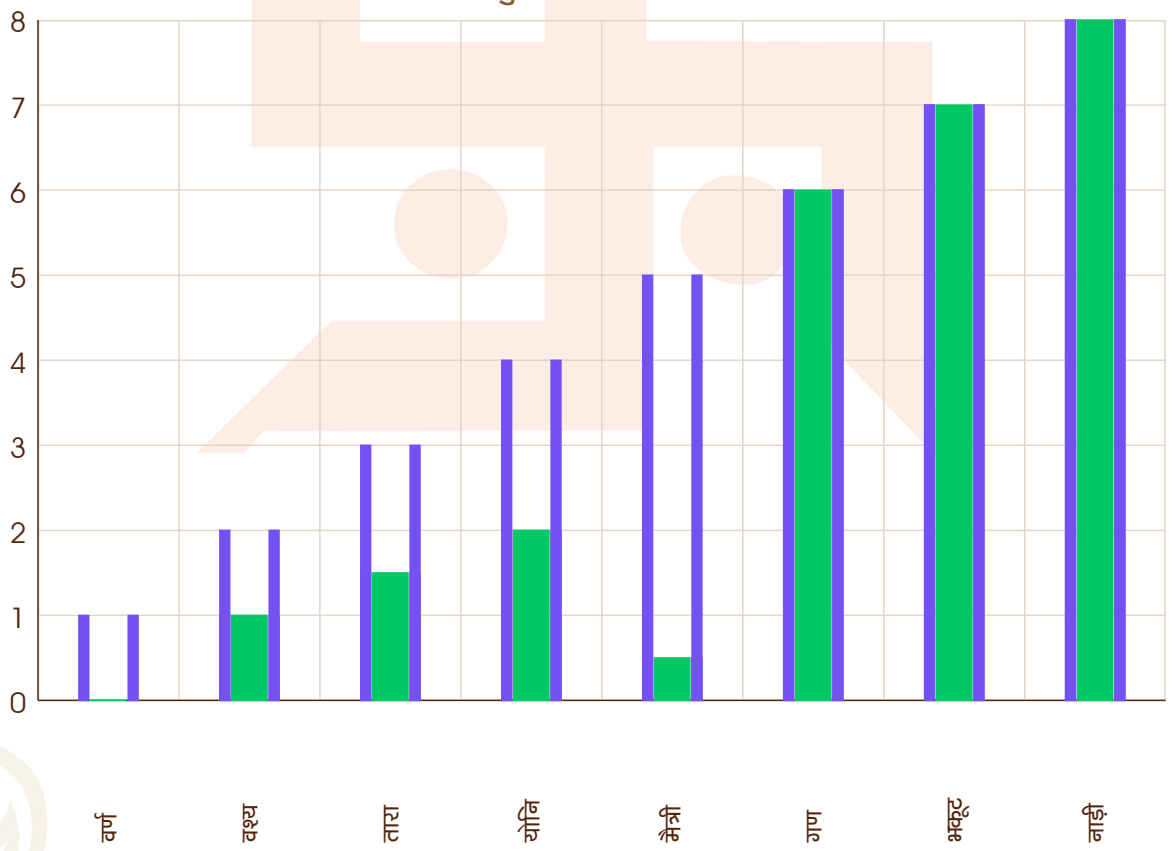

अष्टकूट मिलान

Saksham का वर्ग मार्जार है तथा Diksha का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर मित्रता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Saksham और Diksha का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Saksham मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

Diksha मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Saksham कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Saksham तथा Diksha में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Saksham का वर्ण शूद्र है तथा Diksha का वर्ण ब्राह्मण है। क्योंकि Diksha का वर्ण Saksham के वर्ण से ऊँचा है जिसके कारण यह अच्छा मिलान नहीं है। जिसके कारण दोनों के बीच हमेशा अहं का टकराव होगा। Diksha हमेशा श्रेष्ठता मनोग्रंथि से ग्रसित रहेगी तथा हमेशा स्वयं को पति से अधिक होशियार समझती रहेगी। कन्या की यही श्रेष्ठता का स्व अहसास उसके पति एवं बच्चों के विकास को बाधित कर रहेगा। साथ ही Saksham के अन्दर हीन भावना घर कर जायेगी।

वश्य

Saksham का वश्य द्विपद अर्थात मनुष्य है एवं Diksha का वश्य जलचर है अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। मनुष्य एवं जलचर दोनों प्रकृति के अंग हैं यद्यपि कि दोनों के स्वभाव, गुण, पसंद/नापसंद बिल्कुल अलग होते हैं तथा प्रकृति ने दोनों के अलग-अलग कार्य एवं उत्तरदायित्व निर्धारित किये हैं। इसलियें Saksham एवं Diksha दोनों सामान्यतः एक-दूसरे के कार्यों में हस्तक्षेप नहीं करेंगे तथा एक-दूसरे के लिए हानिकारक सिद्ध नहीं होंगे। सामान्यतः Saksham Diksha पर नियंत्रण स्थापित करने में समर्थ होगा। हालांकि यह अनुकूल मिलान नहीं है क्योंकि Saksham हमेश Diksha के ऊपर हावी रहेगा।

तारा

Saksham की तारा साधक तथा Diksha की तारा प्रत्यरि है। Diksha की तारा प्रत्यरि होने के कारण यह मिलान औसत मिलान ही है। संभाव है कि यह विवाह Saksham एवं उसके परिवार के लिए हानिकारक साबित हो। Diksha का स्वभाव बिल्कुल लापरवाह, स्वार्थी एवं असहयोग की भावना वाली हो सकती है तथा भविष्य मे अपने स्वार्थ की पूर्ति करने में ही लगी रह सकती है। साथ ही Diksha के अवैध संबंध तक भी हो सकते हैं जिसके फलस्वरूप पति, बच्चों एवं संपूर्ण परिवार को काफी कष्ट एवं पीड़ा का सामना कर पड़ सकता है। Saksham अत्यधिक आध्यात्मिक हो सकता है तथा अपना अधिकांश समय आध्यात्मिक गतिविधियों में ही व्यतीत करता रहेगा।

योनि

Saksham की योनि सर्प है तथा Diksha की योनि गज है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह

बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द्र की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Saksham का राशि स्वामी Diksha के राशि स्वामी से सम का संबंध रखता है। जबकि Diksha का राशि स्वामी Saksham के राशि स्वामी के साथ शत्रु का संबंध रखता है। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से खराब मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यदि एक साथी का राशि स्वामी दूसरे के लिए सम किंतु दूसरा उसे शत्रु मानता हो तो ऐसा कुंडली मिलान अच्छा नहीं माना जाता है। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़ा, तनाव, मतभेद, एवं बहसबाजी का भाव बना रह सकता है। ऐसा भी हो सकता है कि यह बहस कभी-कभी हिंसक रूप धारण कर ले। जिससे शारीरिक चोट एवं मुकदमेबाजी के कारण आर्थिक हानि हो सकती है।

गण

Saksham का गण देव तथा Diksha का गण भी देव है। अर्थात दोनों का गण समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके प्रभाववश दोनों दयालु, सहृदय, मृदु, सौम्य एवं संवेदनशील स्वभाव के होंगे। साथ ही दोनों एक-दूसरे के अति अनुकूल होंगे तथा एक-दूसरे का काफी ख्याल रखने वाले होंगे। ऐसी स्थिति में वैवाहिक संबंध के उपरांत शांति, सुख, खुशहाली एवं समृद्धि हमेशा कदम चूमती रहेगी।

भकूट

Saksham से Diksha की राशि दशम भाव में स्थित है तथा Diksha से Saksham की राशि चतुर्थ भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण Saksham एक पारिवारिक व्यक्ति होंगे तथा अपनी पत्नी एवं बच्चों समेत परिवार के हर सदस्य की देखभाल करेंगे। उन्हें अपने संबंधियों से ही खुशी प्राप्त होगी तथा उनकी पत्नी सदैव कर्त्तव्यों के निर्वहन में उनकी मदद करती रहेंगी। Diksha को घर, वाहन, मां का प्यार समेत जीवन में हर सुख एवं खुशी प्राप्त होगी। Diksha हमेशा अपने पति की परछाईं बनकर सदैव उनकी सहायता करती रहेंगी।

नाड़ी

Saksham की नाड़ी मध्य है तथा Diksha की नाड़ी अन्त्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। यह जीवन के लिए आवश्यक दो महत्वपूर्ण अवयवों का समन्वय है। अच्छे स्वास्थ्य, स्वस्थ काया एवं अच्छे यौन जीवन के लिए वात, पित्त एवं कफ का शरीर में संतुलन आवश्यक है। जिसके कारण Saksham एवं Diksha के बीच साहचर्य, सुख एवं समृद्धि की वृद्धि तथा उन्हें अच्छे, स्वस्थ एवं आज्ञाकारी संतान प्रदान होगी।

मेलापक फलित

स्वभाव

Saksham की जन्मराशि वायुतत्व युक्त मिथुन है तथा Diksha की जन्मराशि जलतत्व युक्त मीन है नैसर्गिक रूप से वायु एवं जल के मध्य असमानता एवं शत्रुता का भाव रहता है। अतः Saksham और Diksha के मध्य स्वभावगत विषमताओं के कारण सम्बंधो में अल्प मधुरता रहेगी तथा दाम्पत्य सुख में भी न्यूनता रहेगी। अतः मिलान उत्तम नहीं रहेगा।

Saksham की राशि का स्वामी बुध तथा Diksha की राशि का स्वामी बृहस्पति परस्पर शत्रु एवं समभाव में पड़ते है। अतः यह ग्रह स्थिति भी विशेष शुभ एवं अनुकूल नहीं रहेगी। ऐसी स्थिति में Saksham और Diksha परस्पर एक दूसरे के गुणों की उपेक्षा करेंगे तथा कमियों पर विशेष ध्यान देगे तथा परस्पर वाद विवाद एवं अशान्ति का वातावरण बनाएगें। इससे पारिवारिक सुख की अनुभूति में व्यवधान रहेगा। अतः बुद्धिमता से कार्यकलापों को सम्पन्न करें।

Saksham और Diksha की राशियाँ परस्पर दशम तथा चतुर्थ भाव में पड़ती है। यह शुभ भकुट माना जाता है। इसके प्रभाव से Saksham और Diksha में दूरदर्शिता का भाव रहेगा। वे एक दूसरे को स्नेह तथा सम्मान प्रदान करेंगे जिससे आपसी सम्बंधों में मधुरता आएगी। साथ ही पारिवारिक जीवन सुख एवं शान्तिमय रहेगा तथा परस्पर सामंजस्य रहेगा।

Saksham का वश्य मानव तथा Diksha का वश्य जलचर है। मानव एवं जलचर में नैसर्गिक विषमता एवं शत्रुता का भाव रहता है। अतः Saksham और Diksha के मध्य शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर असमानताएं रहेंगी जिससे उनके सम्बंधो में मधुरता का अल्पभाव रहेगा। वे एक दूसरे की कामभावनाओं में को सन्तुष्ट करने में भी असमर्थ रहेंगे।

Saksham का वर्ण शूद्र तथा Diksha का वर्ण ब्राह्मण है। अतः दोनों की कार्य क्षमताओं में भिन्नता रहेगी। Saksham की प्रवृति किसी कार्य को ईमानदारी तथा परिश्रम से करने की होगी लेकिन Diksha शैक्षणिक तथा धार्मिक कार्यो को ही सम्पन्न करेगी।

धन

Saksham और Diksha दोनों की तारा परस्पर सम है। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य गति से धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों तत्पर रहेंगे। भकूट भी सम ही रहेगा जिससे उनके लाभमार्ग स्वबुद्धिमता एवं परिश्रम से प्रशस्त रहेंगे। मंगल का भी उनकी आर्थिक स्थिति पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस प्रकार उनके अर्थिक स्तर पर कोई विशेष नाटकीय परिवर्तन की संभावना नहीं होगी परन्तु सामान्य जीवन धनऐश्वर्य से युक्त होकर व्यतीत होगा।

इसके साथ ही कोई विशेष या अचानक लाभ के योगों में भी न्यूनता होगी तथा आर्थिक स्तर अपने ही अनुकूल रहेगा जिससे वे आर्थिक रूप से सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

स्वास्थ्य

Saksham की नाड़ी मध्य तथा Diksha की नाड़ी अन्त्य है अतः अलग अलग नाड़ी होने के कारण इनके स्वास्थ्य पर इसका कोई प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्यतया स्वास्थ्य अनुकूल ही रहेगा परन्तु मंगल के प्रभाव से Saksham का स्वास्थ्य प्रभावित रहेगा। इससे वह रक्त तथा पित संबंधी परेशानी प्राप्त करेंगे एवं हृदय रोग से भी यदा कदा कष्ट की प्राप्ति होगी। साथ ही दाम्पत्य जीवन में संभोग शक्ति की अल्पता का भी आभास होगा जिससे जीवन में कलह तथा अशांति उत्पन्न होगी। अतः मंगल के दुष्प्रभाव से सुरक्षित रहने के लिए Saksham को नियमित रूप से हनुमानजी की उपासना करनी चाहिए तथा मंगलवार के व्रत भी करने चाहिए।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से Saksham और Diksha का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त Saksham और Diksha के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में Diksha के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन Diksha को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में Diksha को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से Saksham और Diksha सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार Saksham और Diksha का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Diksha के अपनी सास से सामान्यतया अच्छे संबध रहेंगे परन्तु यदा कदा उनके मध्य अनावश्यक मतभेद तथा तनाव भी उत्पन्न होंगे परन्तु परस्पर सामंजस्य के द्वारा उनका समाधान हो जाएगा तथा इससे विशेष कठिनाई नहीं होगी। साथ ही Diksha सास से अपनी माता के समान व्यवहार करेंगी तथा इसी प्रकार उनकी सेवा तथा सुख सुविधा का ध्यान रखेंगी।

लेकिन ससुर को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में Diksha को काफी परेशानी तथा असुविधा का सामना करना पड़ेगा। यदि Diksha धैर्य, गंभीरता तथा सामंजस्य का उनके प्रति प्रदर्शन करेंगी तो उनसे किंचित मात्रा में सहानुभूति प्राप्त हो सकती है। देवर एवं ननदों से Diksha के संबधों में मधुरता का अभाव रहेगा तथा परस्पर ईर्ष्या तथा प्रतिद्वन्दिता का भाव रहेगा। इस

प्रकार सामंजस्य एवं बुद्धिमता से ही Diksha ससुराल में अनुकूल वातावरण प्राप्त कर सकती है।

ससुराल-श्री

Saksham के अपनी सास से मधुर संबंध रहेंगे तथा आपसी सामंजस्य से इसमें निरन्तर वृद्धि होती रहेगी। सास को Saksham अपनी माता के समान आदर प्रदान करेंगे तथा उनकी सेवा तथा सुख सुविधा का भी ध्यान रखेंगे। साथ ही समय समय पर सपत्नीक उनके यहां मिलने जाया करेंगे जिससे संबंधों की प्रगाढ़ता में वृद्धि होगी।

ससुर के साथ भी Saksham के संबंधों में मधुरता रहेगी। साथ ही उन का भी इनके प्रति विशेष वात्सल्य रहेगा। व्यक्तिगत मामलों तथा आपसी संबंधों में मित्रता का भाव भी दृष्टिगोचर होगा जिससे एक दूसरे की बातों का आदान प्रदान होता रहेगा। साथ ही साली एवं सालों से भी संबंधों में मित्रता सहानुभूति तथा सहयोग का भाव रहेगा तथा एक दूसरे से औपचारिक संबंध रहेंगे।

इस प्रकार ससुराल के लोगों का दृष्टिकोण Saksham के प्रति सम्मानीय रहेगा तथा वे उनके व्यवहार से प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे।